भजन

तर्ज– क्या करते थे साजना

क्या कहना है मेरे पिया,तुम जब हो साथ मेरे
हम तो कहे बिना ही तुमसे,सबकुछ ही पाया करतेहै
अब समझे हम मेहरबां,क्या है ये लाड तेरे
न्यामते अर्श की हमेशा,आप लुटाया करते है

1–अब समझी मैं लीला तुम्हारी
कहती हूं प्रीतम हारी मैं हारी
चुपचाप तुमको ही देखती हूं
दूल्हा हो तुम मैं दुल्हिन तुमारी
चरणो तले बैठे हे,हम क्यों कर कहें जुदा तुमसे हम
तेरे साथ रहा करते है,तुमको ही चाहा करते है
2–नजरो से तेरी इश्क पिया है
अरस परस सुख हमने लिया है
जाने वही वो जिसने दिया है
या जाने वो जिसने लिया है
क्या चीज है तेरा इश्क,कहनी मे जो आता नही
मदहोश रहा करते है,तुमको ही चाहा करते है